नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति

745. **श्री राम नरेश यादव :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लगभग दो वर्ष पूर्व नई शिक्षा नीति के अधीन निर्धारित किये गये लक्ष्यों को इन दो वर्षों की अवधि के दौरान प्राप्त किये जाने की संभावना नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफलता के क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साहो) : (क) से (ग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 और कार्रवाई योजना में कुछ क्षेत्रों में विशेष समय-बद्ध लक्ष्यों का प्रस्ताव किया गया था, अर्थात् (i) ऐसे सभी बच्चे जो वर्ष 1990 तक लगभग 11 वर्ष की आयु के हो जायेंगे, उन्हें 5 वर्ष की स्कूली शिक्षा अथवा अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से इसके समकक्ष शिक्षा प्रदान की जायेगी और वर्ष 1995 तक सभी बच्चों को 14 वर्ष की आयु तक निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा प्रदान की जाएगी । (ii) व्यावसायिक पाठ्यक्रम में वर्ष 1990 तक उच्चतर माध्यमिक छात्रों के 10% और वर्ष 1995 तक 25% छात्रों को शामिल किया जाएगा । (iii) सभी राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि 300 की जनसंख्या (जनजातीय, पहाड़ी तथा रेगिस्तानी क्षेत्रों के मामले में 200) वाली बस्तियों में सातवीं योजना के अन्दर एक-एक प्राथमिक स्कूल की व्यवस्था की जाएगी, (iv) सातवीं योजना अवधि के दौरान प्रत्येक जिले में एक नवोदय विद्यालय स्थापित किया जाएगा ।

(v) वर्ष 1990 तक एक चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक जिले में एक संसाधन केन्द्र सहित खुले स्कूल स्थापित किए जाएंगे ।

(vi) राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम एक चरणबद्ध समयबद्ध कार्यक्रम होगा जिसमें 1990 तक लगभग 40 मिलियन बच्चों को और 1995 तक और 60 मिलियन बच्चों आदि को शामिल किया जायेगा । उपलब्ध संसाधनों की सीमाओं के अन्दर लक्ष्यों को प्राप्त करने और इस नीति को कार्यान्वित करने के लिए वर्ष 1987–88 के दौरान अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं । कई मामलों में, पर्याप्त संसाधनों की कमी तथा अन्य कारणों से, इस योजना के कार्यक्षेत्र तथा आयामों में कमी करनी पड़ी थी । विभिन्न योजनाएं तथा कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे है, तथापि उपलब्धियों और इसके प्रभाव का मूल्यांकन करने का अभी समय नहीं है ।

Participants in Olympiad at Seoul

746. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

DR. YELAMANCHILI SIVAJI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the total number of individuals from India who attended the 24th Olympiad at Seoul and how many of them were actual participants in the events and how many were non-participants;

(b) what is the number of different medals won by the German Democratic Republic, Bulgaria, Romania and South Korea, and the population of each of these countries;

(c) what amount has been spent directly or indirectly, by Government for participation at Seoul Olympics; and

(d) whether there is any proposal to send study teams to Surinam and Kenya, in view of their better performance than ours; if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS AND WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) The Indian Contingent far XXIV Olympic Games consisted of 47 competitions. 18 Team officials and 9 Indian Olympic Association (IOA) representatives. The break up of the non competition group of 27 is as follows:

Chef de Mission	1
Deputy Chef de Mission	1
Treasurer	1
Coaches	14
Managers	3
Doctors	2
Masseur	1
Paychologist	1
Cooks	2
Olympic Attache (From Indian Embassy, Seoul)	1
	27

(b) The medals tally in respect of the following countries are given below indicating their population against each:—

Name of the Country	(Medals won)				Total Population (approx.)
	Gold	Silver	Bronze	Total	
					million
German Democratic Republic	37	35	30	102	17
Bulgaria	10	12	13	35	9
South Korea	12	10	11	33	17
Romania	7	11	6	24	23

(c) Government have released US $ 97,782/- in favour of Indian Olympic Association (IOA) for Board and Lodging and contingent expenses of the Indian participants in the Seoul Olympic Games 1988. The expenditure on air fare of Indian participants is estimated at Rs. 16,24,980. In addition to above Government also incur expenditure on the training of the sportspersons. Coaching and Training of sportspersons of national ranking is a continuous on-going process. However, for the Olympic Games, certain priority events were identified and special coaching camps were organised. The expenditure incurred on these coaching camps is Rs. 12.19 lakhs.

(d) No, Sir. Reasons for enhanced performance of other countries are generally known and as such not much benefit may be derived by such study teams.